



सबसे महान जीत प्रेम की होती है, ये हमेशा के लिए दिल जीत लेती है।

—सम्राट अशोक

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

● वर्ष: 12 ● अंक 258 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 27 अक्टूबर, 2026

ऋषभ पंत और बुमराह की होगी... 7 चुनाव आयोग व मुख्य चुनाव आयुक्त... 3 हेराफेरी और चोरी पकड़ने के डर... 2

अब 4PM के इंस्टाग्राम चैनल पर ताला, आखिर सच की आवाज से इतनी परेशानी क्यों?

बंदी के हथौड़े से नहीं दबेगी 4PM की आवाज

आखिर चाहती क्या है सरकार!

4PM की सहिया फिल्म पर भी पहरा नहीं मिल रहा रिलीज सर्टिफिकेट

» सरकार ने 4PM नेशनल चैनल रास्ता रोका था जनता ने आवाज को फुल वॉल्यूम में लौटा दिया

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सत्ता का हथौड़ा एक बार फिर 4PM पर चला है। 4पीएम की आवाज को बंद करने की एक बार फिर कोशिश हुयी है। लाखों सब्सक्राइबर वाले 4PM इंस्टाग्राम अकाउंट को बिना बताए सरकार ने लॉक करवा दिया है। सरकार 4PM फिल्मस की बनयी गयी पिक्चर सहिया पर भी रोक लगा चुकी है और मामला अदालत में है। इससे पूर्व में सरकार हमारे यूट्यूब चैनल को बंद करवा चुकी है जोकि माननीय न्यायालय के आदेश के बाद खुला था।

हम बताना चाहते हैं कि पहले भी और आज भी हम इन हरकतों से विचलित नहीं हुए हैं क्योंकि सत्ता के गलियारों में बैठे लोगों को एक बात याद रखनी चाहिए कि जिस आवाज को दबाने के लिए जितनी ताकत लगाई जाती है वह आवाज उससे ज्यादा गति से और ज्यादा बुलंद होकर लौटती है। पूर्व में यह साबित हो चुका है और एक बार फिर जनता इसको दोबारा साबित कर देगी। 4PM न्यूज नेटवर्क के संपादक संजय शर्मा के सामने एक बार बंदी का नया मोर्चा सरकार ने खोला है। 4PM के इंस्टाग्राम अकाउंट को बंद कर दिया गया है। संजय शर्मा की फिल्म 'सहिया' प्रमाणन के इंतजार में अटकती है। अब सवाल यह है कि आखिर 4PM के साथ बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है? क्या एक समाचार संस्थान को अपनी बात कहने की कीमत बार-बार चुकानी पड़ेगी? क्या पत्रकारिता की धार किसी को इतनी चुभने लगी है कि डिजिटल मंच से लेकर सिनेमा के पर्दे तक उसकी आवाज के रास्ते में रुकावटें खड़ी होती रहेंगी?

एक पत्रकार का दर्द, एक संपादक की शिकायत और सिस्टम से सीधे सवाल

4PM संपादक संजय शर्मा की शिकायत सिर्फ एक सोशल मीडिया अकाउंट बंद होने की नहीं है। दर्द उस सिलसिले का है जिसमें कभी 4PM के यूट्यूब चैनल पर रोक लगती है कभी इंस्टाग्राम अकाउंट बंद होने की खबर आती है और कभी उनकी फिल्म 'सहिया' प्रमाणपत्र के इंतजार में अटक जाती है। आखिर एक ही संस्थान को बार-बार अलग-अलग मोर्चों पर क्यों लड़ना पड़ रहा है? खबर दिखाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़े फिल्म दर्शकों तक पहुंचाने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप मांगना पड़े और डिजिटल मंच पर अपनी मौजूदगी बनाए रखने की चिंता अलग हो तो सवाल उठना स्वाभाविक है। संजय शर्मा का दर्द उस पत्रकार का दर्द है जो अपने काम को सिर्फ नौकरी नहीं अपनी प्रतिबद्धता मानता है। उनकी शिकायत है कि 4PM की आवाज को रोकने की कोशिशें हो रही हैं। उनका सवाल है अगर कोई खबर गलत है तो उसका खंडन कीजिए किसी सामग्री पर आपत्ति है तो उसका आधार बताइए फिल्म पर सवाल है तो नियमानुसार

फैसला दीजिए। लेकिन कार्रवाई ऐसी क्यों हो कि पूरा मंच ही संकट में पड़ जाए।



Your account is unavailable in India.

26 Oct 2026

Why this happened

We repeatedly had to restrict access to content posted by you pursuant to legal requirements under India's Information Technology (Intermediary Guidelines and Digital Media Ethic..



4pmnews_network
4PM News Network

What you need to know

How we made this decision

out this request

66

संजय शर्मा की लड़ाई का संदेश साफ है दबाव कितना भी हो सवाल पूछने का हौसला नहीं छोड़ेंगे।

99

रास्ते में बार-बार रुकावटें क्यों?

और सबसे बड़ा सवाल क्या संजय शर्मा को झुकाने की कोशिशों का है। संजय शर्मा की बुलंद आवाज को बंद करने की हसरतों के साथ 4PM के इंस्टाग्राम पेज का बंद किया गया है। पेज बंद होते ही यूजर्स प्रतिक्रिया दे रहे हैं और पूछ रहे हैं कि ऐसा बार-बार क्यों किया जा रहा है। इससे पूर्व की सरकारी कार्रवाईयों में यूट्यूब प्रकरण में सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी चिंताओं का हवाला देकर लाखों पाठकों का वाला 4PM नेशनल न्यूज चैनल को बंद कर दिया था। बाद में दिल्ली हाईकोर्ट ने चैनल बहाल करने का आदेश दिया। अब उनकी बनाई गयी पिक्चर 'सहिया' का मामला बॉम्बे हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है। अदालत ने संसर बोर्ड को 2 नवम्बर तक अंतिम निर्णय लेने का निर्देश दिया था। इन सब के बीच अब इंस्टाग्राम अकाउंट बंद होने की खबर ने इस पूरी लड़ाई को नया मोड़ दे दिया है।

उसे कौन रोक सकता है जिसके हाथ में कलम आंखों में सवाल और इरादे में जिद हो

4PM संजय शर्मा का किरदार किसी सरकारी आदेश के आगे हाथ बांधकर खड़े हो जाने वाले पत्रकार का नहीं है। वह सवाल पूछता है विरोध दर्ज कराता है और रास्ता बंद होने पर अगला दरवाजा खटखटाना है। यूट्यूब चैनल बंद हुआ तो अदालत पहुंचे। दिल्ली हाईकोर्ट से राहत मिली तो चैनल फिर लौटा। 'सहिया' पर प्रमाणन का संकट आया तो फिल्म की लड़ाई अदालत तक ले गए।

अब इंस्टाग्राम अकाउंट बंद होने की खबर ने एक और मोर्चा खोल दिया है। संजय शर्मा की लड़ाई को केवल एक संपादक की निजी परेशानी समझना भूल होगी क्योंकि संजय शर्मा कि जिद का मतलब नियमों से ऊपर होना नहीं बल्कि नियमों के भीतर निष्पक्ष व्यवहार की मांग करना है। संजय शर्मा की लड़ाई का संदेश साफ है दबाव कितना भी हो सवाल पूछने का हौसला नहीं छोड़ेंगे। रास्ता कितना भी कठिन हो अपनी बात रखने का अधिकार नहीं छोड़ेंगे।



हेराफेरी और चोरी पकड़ने के डर से पंचायत चुनाव नहीं करा रही योगी सरकार : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- एक वोट एक जिले में 420 बार, पूरे प्रदेश में उसकी 2341 एंट्री

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मतदाता सूची को लेकर चुनाव आयोग और भाजपा पर हमला जारी है। उन्होंने कहा कि 42 वर्षीय सुनील पत्नी राजेश का नाम एक ही जिले में 420 बार दर्ज है। प्रदेश की मतदाता सूची में इस नाम की 2341 एंट्री मिल रही है। इसी तरह से राजकुमारी पत्नी राजकुमार का नाम (एंट्री) 315 जगह मिली है और पूरे प्रदेश की मतदाता सूची में इस नाम की टोटल 1627 एंट्री है।

सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि ये लोग मतदाता सूची के साथ क्या कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार ने पंचायत चुनाव इसलिए नहीं होने दिया, क्योंकि इनकी हेराफेरी और चोरी पकड़ी जाती। प्रधान और प्रधान पद के प्रत्याशी हर मतदाता को पहचानते हैं।



भाजपा ने षड्यंत्र करके प्रधान की चुनाव नहीं होने दिया। अखिलेश ने कहा कि भाजपा अभी भी वोटर लिस्ट में हेराफेरी, धांधली और वोट

10 साल से भाजपा सत्ता में, फिर घुसपैठ के लिए जिम्मेदार कौन

घुसपैठियों को लेकर सवाल के जवाब अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा कौन सा चुनाव बिना घुसपैठियों के लड़ती है। बिहार, पश्चिम बंगाल से लेकर मध्य प्रदेश तक भाजपा घुसपैठियों का नाम लेकर चुनाव लड़ती है, लेकिन घुसपैठियों की सूची कहाँ है। अरुणाचल प्रदेश, लेह और लद्दाख में घुसपैठ हो रही है। जब चुनाव आता है तो भाजपा को घुसपैठ याद आते हैं। दस साल से देश की सीमाएं असुरक्षित हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी के बयान का जिक्र करते हुए अखिलेश ने कहा कि मैंने सिर्फ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को घुसपैठिया कहा था, क्योंकि वे उत्तराखंड से आते हैं।

मतदाता सूची को आधार से जोड़ने की मांग करते हुए कहा कि बायोमेट्रिक रीडिंग के लिए हर बूथ पर मशीनें उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अगर वोटर लिस्ट में सुधार और तकनीक का प्रयोग नहीं होता है तो इसका मतलब है कि भाजपा और चुनाव आयोग धांधली करना चाहते हैं। सभी विपक्षी दल मतदाता सूची की धांधली को पकड़ने में लग गए हैं, तब मजबूरी में चुनाव आयोग कार्रवाई कर रहा है। आयोग को सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी मतदाता का नाम नहीं छूटे और कोई वोट गलत भी न बने।

की डकैती कर रही है। भाजपा विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर वोट की धांधली करना चाहती है। समाजवादी पार्टी जैसे-जैसे वोट

लिस्ट की पड़ताल कर रही है, हर दिन धांधली की नई-नई आश्चर्यजनक जानकारी मिल रही है। सरोजनीनगर, आजमगढ़ से लेकर

पीलीभीत तक विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची को लेकर अलग-अलग तरीके के मामले आ रहे हैं।

बिहार के असल मुद्दों से ध्यान भटका रही भाजपा : तेजस्वी

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान को जबरिया तूल दे रहे हैं भाजपाई

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुजफ्फरपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर पहुंचे बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की विवादित टिप्पणी पर जारी सियासत के बीच भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को बेवजह तूल दे रही है और बात का बर्तगड़ बना रही है।

भाजपा को बिहार के लोगों की असल समस्याओं से कोई मतलब नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा का ध्यान न तो रोजगार पर है, न कमाई पर, न दवाई पर, न पढ़ाई पर और न ही सिंचाई पर। भाजपा सिर्फ बयानबाजी कर लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष ने बिहार में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ते अपराध और बेरोजगारी को लेकर नीतीश सरकार और एनडीए सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि आज बिहार में

अपराध चरम पर है। हर दिन हत्या, लूट और अपहरण की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सरकार खामोश है।

उन्होंने कहा कि बिहार के युवा बेरोजगारी से परेशान हैं और पलायन करने को मजबूर हैं, लेकिन सरकार के पास रोजगार देने की कोई ठोस योजना नहीं है। बिहार पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है और खजाने की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने सरकार की आर्थिक नीतियों को पूरी तरह विफल बताया। तेजस्वी यादव ने डबल इंजन सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र और राज्य दोनों जगह एनडीए की सरकार है, फिर भी बिहार को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि बिहार हर साल बाढ़ से तबाह होता है। लाखों लोग बेघर होते हैं और किसानों की फसल बर्बाद हो जाती है, लेकिन केंद्र सरकार बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित नहीं करती और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा तक नहीं मिलता।



‘सैनी सरकार बिजली निजीकरण पर श्वेत पत्र जारी करे : अभय

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़। इनलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने गुरुग्राम और नूंह में निजी कंपनी को समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस देने के मामले में सरकार से श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि संबंधित कंपनी को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का संरक्षण प्राप्त है।

चंडीगढ़ में जारी बयान में अभय चौटाला ने कहा कि बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान दो दिन तक बिजली-पानी की किल्लत से आम जनता और किसान परेशान रहे। गैर तकनीकी कर्मचारियों को बिजली व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी देकर उनकी जान जोखिम में डाली गई। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मुख्यमंत्री और बिजली मंत्री निजीकरण के खिलाफ हैं तो हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) के फैसले को विद्युत अधिनियम की धारा 108 के तहत रद्द करने के लिए कदम क्यों नहीं उठाए गए? उन्होंने लाइसेंस देने के फैसले के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने की मांग की। चौटाला ने आरोप लगाया कि निजी कंपनी को लाइसेंस देने के खिलाफ इनलो के राष्ट्रीय संरक्षक प्रो. संपत सिंह ने सुनवाई के दौरान आपत्ति दर्ज कराई थी लेकिन इसके बावजूद लाइसेंस जारी कर दिया गया।

हिंसक बयानबाजी देश की गरिमा के लिए चिंताजनक : मायावती

बसपा प्रमुख की कांग्रेस को नसीहत, कहा- ये जनहित में नहीं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए बयान को लेकर सियासी घमासान जारी है। इसी बीच अब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिना नाम लिए कांग्रेस को नसीहत दे डाली है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा-भारतीय राजनीति में आपसी अविश्वास, द्वेष, कटूता, आरोप-प्रत्यारोप आदि का स्तर, गिरते-गिरते अब व्यक्तिगत स्तर पर भी काफी बेलगाम होकर असंसदीय, अमर्यादित, अपमानजनक, संकीर्ण व जातिवाद से ग्रसित होता हुआ, हिंसक बयानबाजी तक भी पहुँच जाना अति-दुःखद तथा देश की गरिमा व मान-मर्यादा आदि के लिये भी अति-चिंतनीय इसके साथ ही बसपा चीफ मायावती ने एक्स पर लिखा-इतना ही नहीं बल्कि इससे बढ़कर शीर्ष स्तर पर भी आसीन लोगों के लिये एक-दूसरे के लिये अगर समुचित सम्मान नहीं तो आपत्तिजनक एवं विषैली राजनीति को अवश्य ही किसी भी प्रकार से बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिये।



वरना खासकर बढ़ती संकीर्ण व गरीब-विरोधी स्वार्थी राजनीति के प्रचलन के कारण लोगों का भरोसा यहां की राजनीतिक व्यवस्था पर कमजोर होना कर्तव्य भी देश व जनहित में नहीं होगा। पूर्व सीएम ने कहा- ऐसे में खासकर सभी पार्टियों व उनके नेताओं के बीच अशोभनीय टीका-टिप्पणी व बयानबाजी का बढ़ता हुआ होड़ यहां राजनीतिक माहौल को और भी अधिक कड़वा व विषैला बनायेगा, जो अनुचित सभी लोग इस ओर जरूर समुचित ध्यान दें तो यह बेहतर। मायावती ने कहा- वैसे भी सरकारी स्तर पर व्यापक भ्रष्टाचार व चुनावी प्रक्रिया पर भी ऊंगली उठने के कारण जनता में पहले से ही काफी बेचैनी है और ऐसे में नेताओं के बीच आपस में नाक की लड़ाई स्थिति को और भी अधिक विषम बना रही है। जबकि जनता की चाहत देश की बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि जैसी ज्वलन्त समस्याओं के निदान पर सभी का ध्यान केन्द्रित करने की है।



उत्तर प्रदेश के चुनाव अधिकारी पर बरसा विपक्ष

संजय सिंह व सुप्रिया श्रीनेत्र ने घेरा, सीईओ ने दिया जवाब

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पर कांग्रेस व आप ने तीखा प्रहार किया। तो वहीं यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने मतदाता सूची में अजीबोगरीब नाम पर विपक्ष के हमलों का उसी भाषा में जवाब दिया। आप सांसद संजय सिंह ने एक्स के माध्यम से सवाल उठाया कि सूची में नाम राम ने यादव को मारा ही क्यों आया।

इस पर सीईओ कार्यालय ने एक्स के माध्यम से ही जवाब दिया कि हालिया विधान परिषद के चुनाव की मतदाता सूची में एक

राम ने किसी सिंह, पाठक अस्थाना, शर्मा, राय, बिष्ट को क्यों नहीं मारा : संजय सिंह

बता दें, आप सांसद संजय सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को संबोधित करते हुए लिखा था कि अखिर राम ने यादव को ही क्यों मारा? राम ने किसी सिंह, पाठक, अस्थाना, शर्मा, राय, बिष्ट को क्यों नहीं मारा?



अजीबोगरीब नाम राम ने शर्मा को मारा भी है। कंप्यूटर या सॉफ्टवेयर जातिवादी नहीं है। भगवान का यह भी शुक है की राम ने किसी

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता बची नहीं : सुप्रिया श्रीनेत्र

कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत्र ने मुख्य निर्वाचन कार्यालय के एक्स एकाउंट की इस पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा कि इस हैडल को कौन चला रहा है। वैसे भी कोई खास विश्वसनीयता आप लोगों (चुनाव आयोग) की बची नहीं है। जो थोड़ा बहुत भ्रम है, वो यह हैडल अकेले निपटारे दे रहा है।



अल्पसंख्यक को नहीं मारा है। नहीं तो जातिवादी होने के साथ-साथ सांप्रदायिक होने का इल्जाम भी लगता।

चुनाव आयोग व मुख्य चुनाव आयुक्त पर जारी है कांग्रेस का तीखा प्रहार

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संभाला मोर्चा

- » बोले जयराम रमेश- भाजपा को चुनावी लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही मशीनरी
- » मतदाता सूचियों की निष्पक्ष जांच कराने और आंकड़े सार्वजनिक करे सरकार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस का चुनाव आयोग व मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमला जारी है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष समेत सभी नेता भाजपा व चुनाव आयोग पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग पर भाजपा को चुनावी लाभ पहुंचाने के लिए मतदाता सूची में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पुनरीक्षण प्रक्रिया को फर्जी बताते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। साथ ही, उन्होंने मतदाता सूचियों की निष्पक्ष जांच कराने और आंकड़े सार्वजनिक करने पर जोर दिया।

कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'फायदा पहुंचाने' के लिए रची गई कथित सुनियोजित साजिश का ठीकरा सॉफ्टवेयर पर डालने की कोशिश कर रहा है, जो स्वीकार्य नहीं है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को 'फर्जी' बताते हुए इसे तुरंत रोकने, मतदाता सूचियों की निष्पक्ष जांच कराने, मशीन से पढ़े जा सकने वाले आंकड़े सार्वजनिक करने और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की।



मोदी ज्ञानेश कुमार को हटा दें, और 30 सेकंड में विरोध-प्रदर्शन खत्म हो जाएंगे : राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 26 अक्टूबर को दिल्ली के कारोबारी समुदाय से अपील की। उन्होंने राजधानी में लगाए गए प्रशासनिक लॉकडाउन और यातायात में आ रही रुकावटों के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाए जाने की विपक्ष की मांग को फिर से दोहराया। एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाले विरोध प्रदर्शन का एक पोस्टर साझा किया। उन्होंने सुरक्षा बैरिकेड्स और सार्वजनिक परिवहन पर लगी पाबंदियों को लेकर कारोबारी संगठनों की चिंताओं पर बात की, इन पाबंदियों की वजह से चल रहे राजनीतिक प्रदर्शनों के दौरान



स्थानीय बाजारों पर असर पड़ रहा है। दिल्ली में खुदरा और थोक व्यापारियों को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा, दिल्ली के हर व्यापारी से- हम आपसे प्यार करते हैं और आपकी बात सुनते हैं। सरकार ने मेट्रो बंद कर दी, सड़कें सील कर दीं और

हमारी राजधानी में लॉकडाउन लगा दिया। जनादेश की चोरी के बाद कुछ भी सुरक्षित नहीं है न आपकी दुकान, न आपकी बचत, और न ही आपके बच्चों का भविष्य। मोदी से कहिए कि वे आरोपी नंबर 4, ज्ञानेश

कुमार को हटा दें, और 30 सेकंड में विरोध-प्रदर्शन खत्म हो जाएंगे।

गांधी का यह बयान चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री द्वारा विपक्षी नेताओं को दिए गए एक आग्रह के बाद आया है, जिसमें 1 नवंबर को रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की प्रस्तावित रैली को टालने की मांग की गई थी। व्यापारिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि धनतेरस, दिवाली और भाई दूज के त्योहारों के दौरान, जब खरीदारी जोरों पर होती है, तब मध्य दिल्ली में सड़कों का डायवर्जन, बैरिकेडिंग और मेट्रो स्टेशनों को बंद करने से चांदनी चौक, सदर बाजार और करोल बाग जैसे प्रमुख बाजारों में हजारों करोड़ रुपये के कारोबार पर बुरा असर पड़ सकता है।

उप्र विधान परिषद चुनाव की मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर किया सवाल

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव की मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों का हवाला देते हुए कहा, 'मतदाता का नाम- 'राम ने यादव को मारा' और पिता का नाम- 'मूर्ख चंद यादव'। किसी मतदाता के पिता का नाम 'बी. कॉम', तो किसी का नाम 'राम ने शर्मा का नाम' ज्ये प्रविष्टियां थुक्रवार को हुए उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव की मतदाता सूची में हैं।' उन्होंने सवाल किया, 'जब उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव में ये 'गलतियां' सामने आई हैं, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि ऐसा दूसरे चुनावों में नहीं हुआ?' रमेश ने कहा, 'व्यापार के लोकतंत्र और मतदाता सूची की शुद्धता को सॉफ्टवेयर और ईसीआईएनट के भरोसे छोड़ दिया गया है? जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है, सॉफ्टवेयर की नहीं।' उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन अधिकारी का बयान दो चुनाव आयुक्तों द्वारा उठाए गए प्रश्नों तथा विपक्ष के इस विश्वास को और मजबूत करता है कि निर्वाचन आयोग को सविधान के प्रावधानों के विपरीत असंवैधानिक तरीके से चलाया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मतदाता सूचियों को हर तरह की गड़बड़ी से मुक्त रखना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है, ताकि किसी भी मतदाता को अपने मताधिकार का



इस्तेमाल करने में परेशानी न हो। रमेश ने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर के बाद जारी मतदाता सूची से नाम गायब होने और ऑनलाइन मतदाता पहचान पत्र (डीपीआईसी) संख्या खोजने पर गलत विवरण सामने आने की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने अब तक कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मांग के अनुरूप मशीन से पढ़े जा सकने वाले आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। उन्होंने कहा कि पूरा आंकड़ा सार्वजनिक होने पर मतदाता सूची में गड़बड़ियों के दायरे और जवाबदेही से जुड़े सवालों की अधिक स्पष्टता से जांच हो सकेगी। रमेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा

असल सवालों का जवाब देने के बजाय राहुल गांधी पर व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं पीएम मोदी

देश के लोगों के मन में पहले हुए लोकसभा और हरियाणा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में चुनाव चोरी होने का शक अब विश्वास में बदलता जा रहा है। हमारा स्पष्ट मानना है कि भाजपा ने निर्वाचन आयोग से मिलीमगत करके चुनाव चोरी करके जीते हैं। रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर राहुल गांधी के सवालों से बौखलाए प्रधानमंत्री और भाजपा जनता के असल सवालों का जवाब देने के बजाय लगातार राहुल गांधी पर व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा यह जान ले कि देश पिछले बारह वर्षों में उसके ओछे हथकड़ों को पहचान चुका है। अब यह काट की हांडी बार-बार नहीं चढ़ेगी। चुनाव में कुछ ही महीने शेष हैं और सामने आ रहे ये मामले मतदाताओं के अधिकारों तथा चुनावी पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

मतदाताओं को व्यवस्थित रूप से रोक रहे ज्ञानेश कुमार : मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को भाजपा पर अपना हमला और तेज कर दिया। एक्स पर अपनी अपील पोस्ट करते हुए, खरगे ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है, जबकि उन पर मतदाताओं को व्यवस्थित रूप से रोकने और डिजिटल गड़बड़ियां करने के गंभीर आरोप लग रहे हैं। हाल ही में सामने आए खुलासों और सूचना के अधिकार आवेदनों पर मिले जवाबों का हवाला देते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार और भारत निर्वाचन आयोग दोनों पर कड़े आरोप लगाए। खरगे ने कहा कि वोट चोरी के अनजिनिबत खुलासों के बाद भी, मोदी सरकार ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए हर संभव हथकंडा अपना रही है। उन्होंने आगे कहा कि जब आर्टीआई के जरिए एसआईआर में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी मांगी गई, तो चुनाव आयोग ने व्यापारिक गोपनीयता (ट्रेड सीक्रेट्स) का हवाला देकर जवाब देने से इनकार कर दिया। उत्तर प्रदेश में, फॉर्म-6 के 16.18 लाख आवेदनों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। पीलीभीत में, 10,470 मतदाताओं के रिकॉर्ड में गड़बड़ियां पाई गईं। अब, उन्हें पूरे राज्य में फॉर्म 6, 7 और 8 की जांच का आदेश देने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने लिखा कि बीजेपी और चुनाव आयोग की मिलीमगत के खिलाफ इंडिया गठबंधन की तीन



मुख्य मांगें स्पष्ट हैं। 1. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और उन्हें सुरक्षा देने वाला 2023 का कानून रद्द किया जाए। 2. एसआईआरों तुरंत रोकें जाएं। मतदाता सूची से अवैध रूप से हटाए गए लोगों के नाम वापस जोड़े जाएं। 3. सभी चुनाव पेपर बिलेट से कराए जाएं। कांग्रेस अध्यक्ष ने 1 नवंबर के प्रदर्शन को केवल चुनावी विवाद नहीं, बल्कि सविधान को बचाने की एक बड़ी लड़ाई बताते हुए लोगों से इसमें बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की। खरगे ने कहा कि यह सिर्फ वोट बचाने की लड़ाई नहीं है, बल्कि सविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता का संघर्ष है। मैं देश के हर जागरूक नागरिक से अपील करता हूं - 1 नवंबर को दिल्ली आए! रामलीला मैदान में वोट बचाओ-देश बचाओ जन मार्च और विशाल रैली में शामिल हों। जय हिंद! जय सविधान!



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

केवल नशामुक्ति अभियान से नहीं रुकेगा नशा

66

भारत में नशे की सबसे विस्तृत राष्ट्रीय तस्वीर एनडीडीटीसी-एम्स के उस सर्वेक्षण से आती है जो 2018 में हुआ और जिसकी रिपोर्ट फरवरी 2019 में प्रकाशित हुई। उसमें करीब 16 करोड़ शराब, 3.1 करोड़ कैनाबिस और 2.26 करोड़ ओपिऑइड उपयोगकर्ताओं का अनुमान लगाया गया था। करीब 77 लाख लोगों को ओपिऑइड के समस्याग्रस्त इस्तेमाल के कारण मदद की जरूरत बताई गई।

सरकार पूरे देश में नशामुक्ति अभियान चला रही है। पर जिस तरह से नशीले पदार्थों की खेप पकड़ी जा रही वह इस अभियान की कलाई खोलती है। साथ ही नशे की वजह से कई लोगों की जाने भी असमय ही चली जाती हैं। भारत के पास पकड़े जा रहे नशीले पदार्थों का ताजा हिसाब है। नशा-मुक्ति अभियान कितने करोड़ लोगों तक पहुंचा, यह भी दर्ज है। लेकिन किशोरों और युवाओं के बीच आज कौन-सा नशा कितना फैल चुका है और उससे देश को कितना स्वास्थ्य, कितनी पढ़ाई, कितने कामकाजी वर्ष तथा कितनी उत्पादकता गंवानी पड़ रही है- इसकी नई समग्र राष्ट्रीय तस्वीर अब भी अधूरी है। चिंता इसलिए और बढ़ती है क्योंकि बीते वर्षों में नशे की दुनिया बहुत बदल चुकी है। एक समय चर्चा शराब, गांजा, अफीम और हेरोइन तक सीमित रहती थी, आज कृत्रिम नशीले पदार्थ, नशीली दवाओं का दुरुपयोग और नए मनःप्रभावी पदार्थ तेजी से चुनौती बन रहे हैं। भारत में नशे की सबसे विस्तृत राष्ट्रीय तस्वीर एनडीडीटीसी-एम्स के उस सर्वेक्षण से आती है जो 2018 में हुआ और जिसकी रिपोर्ट फरवरी 2019 में प्रकाशित हुई। उसमें करीब 16 करोड़ शराब, 3.1 करोड़ कैनाबिस और 2.26 करोड़ ओपिऑइड उपयोगकर्ताओं का अनुमान लगाया गया था। करीब 77 लाख लोगों को ओपिऑइड के समस्याग्रस्त इस्तेमाल के कारण मदद की जरूरत बताई गई। 10 से 17 वर्ष के बच्चों और किशोरों में भी विभिन्न नशीले पदार्थों के इस्तेमाल का अनुमान सामने आया, इनमें करीब 40 लाख ओपिऑइड और 30 लाख इनहेलेंट उपयोगकर्ता शामिल थे। लेकिन यह आज के भारत का आंकड़ा नहीं है, यह 2018 में मापे गए भारत की तस्वीर है। तब स्कूल में पढ़ने वाली पीढ़ी का बड़ा हिस्सा अब कॉलेज या रोजगार की उम्र में पहुंच चुका है। इस बीच कोविड आया, सामाजिक और डिजिटल जीवन बदला, मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां बढ़ीं और कृत्रिम नशों का बाजार भी फैला। फिर भी हाल के संसदीय उत्तरों में राष्ट्रीय स्थिति बताने के लिए उसी 2018 के सर्वेक्षण का सहारा लिया जाता रहा है। अब सरकार ने एनडीडीटीसी-एम्स को दूसरा राष्ट्रीय सर्वेक्षण सौंपा है, जिसमें राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर तक विभिन्न नशीले पदार्थों तथा उनसे पैदा होने वाली समस्याओं का आंकलन किया जाना है। यह आवश्यक कदम है, लेकिन इससे एक बड़ा प्रश्न खत्म नहीं होता- क्या तेजी से बदलते नशे को केवल कई वर्षों के अंतराल पर होने वाले बड़े सर्वेक्षणों से समझा जा सकता है? यूरोप का अनुभव बताता है कि निगरानी लगातार भी हो सकती है। ईएसपीएडी लगभग तीन दशकों से मुख्यतः 15-16 वर्ष के विद्यार्थियों के बीच नशे और उससे जुड़े जोखिमों का लगभग हर चार वर्ष में अध्ययन करता है। 2024 में 37 देशों के 1,13,882 विद्यार्थी इसमें शामिल हुए। इसमें केवल यह नहीं देखा जाता कि कितने किशोर नशा करते हैं, बल्कि शुरुआत की उम्र, उपलब्धता और बदलते जोखिम भी दर्ज किए जाते हैं।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीति में विरोधियों के प्रति तल्ख होते तेवर

ज्योति मल्होत्रा

पिछले हफ्ते की शुरुआत में नागपुर में जब तक आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपना वार्षिक विजयादशमी भाषण दिया, जिसमें उन्होंने 'सत्ता परिवर्तन' की संभावना को खारिज करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी के प्रति संगठन के समर्थन को रेखांकित किया, तब तक, बंगाल में दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास लगे वामपंथी साहित्य के बुकस्टॉलों में आग लगा दी जा चुकी थी।

किताबों के साथ हुए इस किस्म के सलूक ने, बेशक, आपको रे ब्रैंडबरी के 1953 के मशहूर उपन्यास 'फॉरेनहाइट 451' की याद दिलाई होगी, इस किताब का उपशीर्षक है- 'वह तापमान, जिस पर किताबों का कागज आग पकड़ता है और जल जाता है'। यह उपन्यास अमेरिका में मैकार्थी युग के चरम पर लिखा गया था। इसमें नाजी जर्मनी में किताबों को जलाए जाने और सोवियत संघ की 'गुलाग' जेलों में हुए दमन का जिक्र है, जब 'राष्ट्र-विरोधी' माने जाने वाले साहित्य को पढ़ने, लिखने या उस पर विचार करने का मतलब था कड़ी सजा आमंत्रित करना।

बेशक, बंगाल की इस घटना की तुलना उस उपन्यास से करना कुछ बढ़ा-चढ़ाकर देखना हो सकता है। जो भी हो, राज्य के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने, जिन्होंने यकीनन मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के मुकाबले कहीं ज्यादा किताबें पढ़ी हैं। अपनी सरकार की कुछ हद तक लाज बचा ली, जब उन्होंने कहा कि हालिया दुर्गा पूजा के दौरान जिस तरह से कुछ उपद्रवियों और गुंडों ने वामपंथी बुकस्टॉलों को तहस-नहस किया है, उसे देखकर उनका सिर शर्म से झुक जाता है। (इस मामले को गहराई से समझने के लिए, आप पिछले हफ्ते 'द ट्रिब्यून' में छपा वरिष्ठ पत्रकार शिखा मुखर्जी का लेख पढ़ सकते हैं।

दासगुप्ता ने गत सप्ताह हिम्मत कर सच बोला है क्योंकि वे समझते हैं कि 'बंगाल' का विचार सुवेंदु अधिकारी से कहीं बड़ा है-ठीक वैसे ही, जैसे कभी

सीपीआई (एम) के दिग्गज नेता और मुख्यमंत्री रहे ज्योति बसु ने 1996 में अपनी ही पार्टी के खिलाफ आवाज उठाई थी। तब उन्होंने उनको प्रधानमंत्री बनने से रोके जाने के पार्टी के फैसले को एक 'ऐतिहासिक भूल' करार दिया था। यहां मुख्य बात यह है कि बिल्कुल अलग-अलग विचारधाराओं-एक वामपंथी और दूसरी दक्षिणपंथी-से जुड़े ये भद्र पुरुष,



अलग-अलग विचारों के सहअस्तित्व को स्वीकार करने में सक्षम रहे। यही लोकतंत्र का सार है। ऐसा करके, दासगुप्ता विरोधी विचारों के प्रति सम्मान का समर्थन करते हैं। वामपंथ में भी कई लोग ऐसे हैं जो एक ही सांस में 'लाल सलाम' का नारा लगाने और अंदर ही अंदर महालया पाठ करने में समर्थ नहीं हैं। लेकिन एक अच्छे कॉम्रेड ज्योति बाबू समझते थे कि भले ही धर्म 'जनता के लिए अफीम' हो, फिर भी इस नियम का एक अपवाद हमेशा रहा है-देवी दुर्गा, देवी काली और देवी सरस्वती का उत्सव। यही वजह है कि गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से जुड़ा मशहूर कथन लंबे समय तक सच माना जाता रहा। 'बंगाल जो आज सोचता है, शेष भारत कल सोचता है'। (हालांकि, गोखले ने 1905 में ऐसा नहीं कहा था।) फिर भी, समस्या बंगाल या बंगालियों के साथ नहीं है-भले ही सुवेंदु अधिकारी कुछ भी कहें-बल्कि समस्या यह है कि आज भारत में 'अलग' होने, धारा के विपरीत तैरने का विचार धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। सच तो यह है कि ऐसा कुछ समय से हो रहा है। हाजरिजवाबी की कला- जिसमें आप गुस्से की बजाय व्यंग्य

की धार से अपने विरोधी को निरुत्तर कर दें-लगभग विलुप्त हो चुकी है। आजकल राजनीति में गुस्सा बहुत ज्यादा है। शायद हर किसी के पास गुस्सा होने की कोई न कोई वजह है। यही कारण है कि दिल्ली की सड़कों पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन-जब भी पुलिस होने दे-उसके कुछ हिस्से, एक सुखद बदलाव की तरह लगते हैं। मिरांडा हाउस की छात्राओं का 'एक कचौड़ी, दो समोसा' वाला नारा इसलिए असरदार रहा क्योंकि वे दिल्ली पुलिस पर तंज कस रही थी 'कि जब हमें आपकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब आप कहाँ होते हैं'? या फिर जब नेहा बोरा उन पुलिसकर्मियों से चाय की मांग करती हैं, जिन्होंने उन्हें और उनके साथियों को हिरासत में ले रखा है? छात्रों ने वह पुरानी कहावत पकड़ ली। 'जब आपका विरोधी आपसे कहीं ज्यादा ताकतवर हो, तो उसको हास्य से जीत लो'।

तथापि, दिल्ली में कुछ चीजें पहले ही बदल रही हैं। मिजाज सख्त होता जा रहा है। यह साफ है कि सरकार दोतरफा रणनीति लगा रही है-पहला, हर किस्म के विरोध-प्रदर्शन को न होने देना, चाहे वह सड़कों पर होने वाले प्रदर्शन हों या विरोध दर्शाने वाले अन्य माध्यम, जैसे कि प्रदर्शनों की छवियों वाली तस्वीरों की प्रदर्शनी। अब मस्ती और हल्के-फुल्केपन का समय सिकुड़ रहा है।

दूसरा, मुख्य विपक्षी दल को निशाना बनाना। भले ही देश के ज्यादातर हिस्सों में कांग्रेस सिकुड़ी पड़ी है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अच्छी तरह जानते हैं कि यही वह एकमात्र राजनीतिक समूह है, जिसमें खुद को फिर से खड़ा करने की क्षमता है। कोई इत्तेफाक नहीं कि बीते गुरुवार एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में मोदी ने अपनी टिप्पणियों में कांग्रेस पर 'दिमागी नक्सलियों' या 'बौद्धिक नक्सलियों' के बढ़ते प्रभाव की बात कही। यह भी कोई इत्तेफाक नहीं कि बीजेपी इस समय राहुल गांधी के कथित तौर पर विदेश में छुट्टियां मनाने को-माना जा रहा है कि वे वियतनाम में हैं-निशाना बना रही है और पूछ रही है कि वहां पर वे किससे मिल रहे हैं।

रोहित कौशिक

हमारी जिंदगी उस नाव की तरह है जो समय की धारा में अपने आप बहने लगती है। हम एक निश्चित दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन कभी-कभी समय की धारा अपने हिसाब से हमारी नाव का रुख मोड़ देती है। कुछ समय बाद जब हम अपनी जिंदगी के पिछले सफर पर गौर करते हैं, तो हमें पता चलता है कि हमें कहाँ पहुंचना था और हम कहाँ पहुंच गए हैं। दरअसल, यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

दो मित्रों के जीवन की कहानियां याद आ रही हैं। एक मित्र पढ़ने में बहुत तेज था और इंजीनियर बनना चाहता था, लेकिन घर की परिस्थिति ऐसी नहीं थी कि उसकी पढ़ाई पर ज्यादा खर्च किया जा सके। वह केवल इंटरमीडिएट तक ही पढ़ पाया और आज अपनी एक छोटी-सी दुकान संभाल रहा है। दूसरे मित्र के घर की स्थिति काफी अच्छी थी और वह पढ़ने में भी ठीक-ठाक था। वह डॉक्टर बनना चाहता था। काफी तैयारी करने के बाद भी वह प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं हो पाया और आज वह अपने परिवार का एक बड़ा व्यवसाय संभाल रहा है। आज दोनों ही मित्र कहते हैं कि जीवन की आपाधापी में हमें पता ही नहीं चला कि कब हमारा रास्ता बदल गया और हम कैसे उस रास्ते पर बहुत आगे भी निकल आए। गृहस्थी की उलझनों में हमें बहुत दिनों तक ऐसे मुद्दों पर सोचने का समय ही नहीं मिलता है और हम बहुत दूर निकल जाते हैं।

जिंदगी में एक पड़ाव ऐसा आता है, जब हम अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखते हैं। तब हमें यह अहसास होता है कि हमने अपने जीवन में कहाँ-कहाँ चूक की है। जरूरी नहीं कि ये चूक जानबूझकर की गई हों। कभी-कभी अनजाने में भी ये चूक हो जाती है। कभी किसी

धैर्य-परिश्रम बदल सकते हैं बहती जीवनधारा



जिंदगी में एक पड़ाव ऐसा आता है, जब हम अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखते हैं। तब हमें यह अहसास होता है कि हमने अपने जीवन में कहाँ-कहाँ चूक की है। जरूरी नहीं कि ये चूक जानबूझकर की गई हों। कभी-कभी अनजाने में भी ये चूक हो जाती है। कभी किसी अन्य परिस्थिति के कारण हम उस रास्ते पर निकल जाते हैं, जिस पर जाना नहीं चाहते थे। बहरहाल, हम जिंदगी के इन रास्तों का विश्लेषण करते रहते हैं, लेकिन शायद जिंदगी के कुछ रास्ते विश्लेषण से परे होते हैं। इसीलिए ऐसे विश्लेषण से हमारे हाथ कुछ नहीं लगता है। असली सवाल यह है कि हम अपने वर्तमान जीवन से खुश हैं या नहीं। दरअसल, हम जीवन में जो बनना चाहते हैं, वह बनकर भी खुश नहीं रह पाते हैं। इसी तरह, अगर हम वह न बन पाएं, तो भी खुश रह सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हम जो चाहते हैं, वह कभी पूरा नहीं होता। किसी भी काम के प्रति हमारी लगन और मेहनत ही हमारी सफलता का आधार बनती है। यही कारण है कि हम जो चाहते हैं, वह

अन्य परिस्थिति के कारण हम उस रास्ते पर निकल जाते हैं, जिस पर जाना नहीं चाहते थे।

बहरहाल, हम जिंदगी के इन रास्तों का विश्लेषण करते रहते हैं, लेकिन शायद जिंदगी के कुछ रास्ते विश्लेषण से परे होते हैं। इसीलिए ऐसे विश्लेषण से हमारे हाथ कुछ नहीं लगता है। असली सवाल यह है कि हम अपने वर्तमान जीवन से खुश हैं या नहीं। दरअसल, हम जीवन में जो बनना चाहते हैं, वह बनकर भी खुश नहीं रह पाते हैं। इसी तरह, अगर हम वह न बन पाएं, तो भी खुश रह सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हम जो चाहते हैं, वह कभी पूरा नहीं होता। किसी भी काम के प्रति हमारी लगन और मेहनत ही हमारी सफलता का आधार बनती है। यही कारण है कि हम जो चाहते हैं, वह

पूरा भी होता है। इसीलिए हमारे अंदर आगे बढ़ने की चाहत हमेशा बनी रहती है।

कई बार हम जिस रास्ते पर आगे बढ़ना चाहते हैं, परिस्थितिवश उस रास्ते पर आगे नहीं बढ़ पाते। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि हमारे लिए सारे रास्ते बंद हो गए हैं। जब एक रास्ता बंद होता है, तो दूसरा रास्ता खुलता है। हम एक रास्ता बंद होने को ही जीवन का अंत मान लेते हैं। यह स्थिति हमें मनोवैज्ञानिक रूप से भी परेशान करती है। इस समय एक मनोवैज्ञानिक दबाव हमारे ऊपर कार्य करने लगता है। जीवन के सहज प्रवाह के लिए हमें मनोवैज्ञानिक दबाव से बचने की हर संभव कोशिश करनी होगी। इसलिए एक रास्ता बंद होने पर हमें धैर्य के साथ ठंडे दिमाग से विचार-विमर्श करना होगा। ऐसी स्थिति

में यदि हम धैर्य का साथ छोड़ देते हैं, तो एक ओर गलत रास्ते पर आगे बढ़ने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस समय हम धैर्य के माध्यम से ही मनोवैज्ञानिक दबाव कम कर सकते हैं। मनोवैज्ञानिक दबाव कम होने पर ही दूसरे रास्ते पर चलने का सही निर्णय लिया जा सकता है।

मानसिक तनाव की इस स्थिति से उबरने पर हमें एक साथ कई रास्ते दिखाई देने लगते हैं। मानसिक तनाव कम होने पर ही हमारा विचार-विमर्श किसी उचित फैसले तक पहुंच पाता है। उचित फैसला लेने के बाद हमें दूसरे रास्ते पर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। हमें ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे, जब लोग एक रास्ते पर चलकर सफल नहीं हो पाए, लेकिन दूसरे रास्ते पर चलकर सफलता की एक नई कहानी लिख दी। हमें ऐसे भी अनेक उदाहरण मिलेंगे, जब लोग ताउम्र रास्ते बदलते रहे और उन्हें सफलता नहीं मिली, लेकिन जिंदगी के आखिरी पड़ाव पर उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिली। इसलिए हमें किसी भी कीमत पर निराश नहीं होना है।

सफर में हमें यह पता नहीं रहता कि इस रास्ते पर चलकर हम सफल होंगे या नहीं। जरूरत इस बात की है कि हम पूरी ईमानदारी के साथ अपने रास्ते पर आगे बढ़ें। आगे बढ़ने के जुनून और हौसले को हमें किसी भी हाल में कम नहीं होने देना है। यह जुनून और हौसला ही अंततः हमें सफल बनाता है। अगर हम किसी रास्ते पर आगे बढ़ेंगे ही नहीं, तो हमारी अनेक संभावनाएं समाप्त हो जाती हैं। हमें हर हाल में संभावनाओं के लिए अपने द्वार खुले रखने हैं। जिन लोगों में परिश्रम करने और आगे बढ़ने की इच्छा नहीं होती है, वे इस जिंदगी से तमाम शिकायतें करते हैं। हमें यह समझना होगा कि शिकायतों से कोई भी काम हल नहीं होता है। अपने रास्तों पर बिना शिकायतों के आगे बढ़ना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

याददाश्त बढ़ाने के लिए करें ये योगासन

भ्रामरी प्राणायाम

वर्ष 2006 में भ्रामरी प्राणायाम का स्मृति क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया। 30 छात्रों ने 30 दिनों तक प्रतिदिन भ्रामरी प्राणायाम के 10 चक्र किए। प्राणायाम आरंभ कराने के पूर्व तथा 30 दिन के पश्चात स्मृति क्षमता का परीक्षण किया गया। परिणामों में पाया गया कि प्राणायाम करने वाले प्रयोज्यों के स्मृति स्तर में वृद्धि हुई।

भुजंगासन

भुजंगासन का अभ्यास पीठ दर्द, साइटिका पेन, स्लिप डिस्क, सर्वाइकल और अन्य स्पाइनल से संबंधित समस्याओं को ठीक करने में उपयोगी है। साथ ही अस्थमा, डायबिटीज व पेट संबंधित बीमारियों को ठीक करने में उपयोगी है। चूंकि स्पाइनल कार्ड से ही मस्तिष्क के विभिन्न भाग जुड़े हुए होते हैं, इसलिए इसके स्वस्थ रहने पर स्वस्थ मस्तिष्क व स्मृति क्षमता का विकास होता है।

स्मृति का अर्थ उस मानसिक प्रक्रम से है, जिसमें व्यक्ति ज्ञानेन्द्रियों से सूचनाओं का ग्रहण करके अपने मस्तिष्क में संचित करता है और जरूरत पड़ने पर उनको प्रत्यावाहित करता है। आसान शब्दों में समझें तो अनुभव किए हुए विषयों का ठीक-ठाक उसी रूप में स्मरण होना स्मृति है। अच्छी याददाश्त में तीव्रता होती है। व्यक्ति सीखी गई बातों को जल्दी याद कर लेता है। साथ ही लंबे समय तक बातें याद रहती हैं। अधिक मात्रा में बातों को याद रख सकते हैं। न्यूरोसाइकोलॉजिस्ट के मुताबिक, जब मस्तिष्क का कोई भाग क्षतिग्रस्त हो जाता है तो भी याददाश्त में कोई विशेष गड़बड़ी नहीं होती है। इससे ये बात भी साफ है कि मस्तिष्क के किसी एक हिस्से में स्मृति की समस्त घटनाएं समाहित नहीं होती हैं। कई लोगों की शिकायत होती है कि उनकी याददाश्त या स्मरण शक्ति कमजोर हो रही है। लेकिन ऐसा होता क्यों है? लोग चीजें या बातें भूल कैसे जाते हैं? स्मृति क्षमता घटने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे, दवाएं, अल्कोहल-ड्रग्स, चिंता व तनाव, अत्यधिक मानसिक कार्य, अवसाद, मस्तिष्कीय चोट, संक्रमण, थायरॉइड की गड़बड़ी, अनिद्रा, पोषण की कमी, उम्र का प्रभाव, वैचारिक विकृति, डिमेंशिया और मानसिक विकार। योग याददाश्त बढ़ाने में सहायक बन सकता है। आसन, प्राणायाम, ध्यान आदि के माध्यम से मस्तिष्क की क्षमता को तीव्र किया जा सकता है और स्मृति के साथ साथ मस्तिष्क की अन्य अद्भुत क्षमताओं को भी बढ़ाया जा सकता है। हालांकि योग के साथ ही पोषण युक्त खानपान और स्वस्थ रहन सहन भी सहायक है।

मत्स्यासन

मत्स्यासन संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है— 'मत्स्य', जिसका अर्थ है मछली और 'आसन', यानी बैठने या शरीर की मुद्रा। इस आसन को करते समय शरीर की स्थिति मछली के समान होती है, जिसमें छाती को ऊपर की ओर उठाया जाता है और सिर को पीछे की तरफ झुकाया जाता है। यह मुद्रा शरीर के ऊपरी हिस्से को फैलाव देती है और पेट के अंगों पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। मत्स्यासन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है और छाती व गर्दन की मांसपेशियों में खिंचाव पैदा करता है। इससे रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है। मानसिक रूप से यह आसन तनाव और थकान को कम करने में भी सहायक माना जाता है, जिससे मन शांत रहता है और नींद की गुणवत्ता सुधरती है।

सर्वांगासन

सर्वांगासन के नियमित अभ्यास से हृदय शुद्ध रक्त को मस्तिष्क की ओर भेजता है, जिससे प्रत्येक कोशिका को ऑक्सीजन व ब्लड सप्लाई होने से मस्तिष्क को पोषण मिलता है। इससे मस्तिष्क सक्रिय रहता है जिससे मानसिक शक्ति, ग्रहण शक्ति और बौद्धिक शक्ति बढ़ती है। बच्चों में इसका अभ्यास थायरॉइड व पिट्यूटरी ग्लैंड को भी सक्रिय करता है जिसके परिणाम स्वरूप बच्चों की लंबाई भी अच्छी तरह बढ़ती है।

ओम उच्चारण

ध्यान, प्राणायाम और ओम का उच्चारण भी मस्तिष्क की क्षमताओं को बढ़ा सकता है। इसमें पाया गया कि 5 मिनट गहरी श्वास प्रश्वास प्रक्रिया और 30 मिनट का ओम उच्चारण तथा 5 मिनट की प्रार्थना से एक महीने में एकाग्रता, मेमोरी स्तर में अधिक वृद्धि हुई और थकान के स्तर में अधिक कमी हुई। मंत्र का ध्यान या मंत्र उच्चारण स्मृति क्षमता को बढ़ाता है। आंख द्वारा देख गए, कान द्वारा सुने गए और जीभ द्वारा बोले गए शब्दों का स्मृति पर विशेष प्रभाव पड़ता है। इससे व्यक्ति आसानी से एकाग्र भी होता है और उसका ध्यान इधर उधर भटकता नहीं है। उच्चारण करने से उत्पन्न तरंगें दिमाग पर प्रभाव डालती हैं, जो कि स्मृति क्षमता को बढ़ाने में सहयोग करती हैं।

सिद्धासन

सिद्धासन को योग विज्ञान में सभी आसनों में सर्वश्रेष्ठ और मन के विकारों को नष्ट करने वाला माना गया है। ध्यान और प्राणायाम के लिए यह सबसे उत्तम और स्थिर मुद्रा है। नियमित रूप से सिद्धासन का अभ्यास करने से शरीर और मस्तिष्क को लाभ मिलते हैं। यह मन की चंचलता और आलस्य को दूर कर ध्यान की उच्चतम अवस्था में पहुंचने में मदद करता है। इस मुद्रा में रीढ़ की हड्डी, गर्दन और पीठ पूरी तरह सीधी रहती है, जिससे शरीर का पोस्चर सुधरता है और पीठ दर्द में आराम मिलता है।



हंसना मना है

बाप: बेटा अगर ससुराल वाले स्कूटर दें तो कार मांगना, कूलर दें तो एसी मांगना, लड़का: पापा अगर वो लड़की दें तो उसकी मां को भी मांग लूं क्या?

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर: तुमने इससे क्या सिखा? स्टूडेंट: जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी: एक जहर की बोतल देना दुकानदार: बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया... दुकानदार: बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दूं या छोटी?

पति- क्या तुम्हें पता है कि गाने में इतनी ताकत होती है कि पानी भी गरम हो जाता है, पत्नी- हां हां जरूर, क्यों नहीं जानती अब तुम यही सोच लो अगर तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं।

टीचर- कल होमवर्क नहीं किया तो मुर्गा बनाऊंगा। पप्पू - सर मुर्गा तो मैं नहीं खाता, आप चाहो तो मटर पनीर बना लेना, पप्पू का जवाब सुनकर मास्टर जी ने कल के बजाए उसे आज ही मुर्गा बना दिया।

कहानी

लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहलुहा कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियों ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख: हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष 	कार्यस्थल पर आपकी ऊर्जा और प्रयास सफल होंगे। व्यापार में नए सौदे तय होंगे, लाभ होगा। मित्रों से संबंध और प्रगाढ़ होंगे। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी।	तुला 	नई नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। व्यापारिक साझेदारी में लाभ होगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। आर्थिक लाभ मिलने की पूरी संभावना है।
वृषभ 	अधिकारियों के साथ तालमेल बेहतर रहेगा। व्यापार में नए निवेश से दूरगामी लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ प्यार और समझ बढ़ेगी। धन लाभ होने की पूरी संभावना है।	वृश्चिक 	विरोधियों की योजनाएं विफल होंगी। व्यापार में मुनाफा बढ़ने के योग हैं। पारिवारिक सहयोग हिम्मत बढ़ाएगा। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा।
मिथुन 	कार्यकुशलता से जटिल काम निपटाएंगे। व्यापारिक यात्राएं लाभप्रद साबित होंगी। प्रियजनों के साथ समय सुखद बीतेगा। वित्तीय स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा।	धनु 	करियर में बड़ी सफलता मिलने के आसार हैं। नए निवेश से बड़ा फायदा संभव है। संतान पक्ष से संतोषप्रद खबर मिलेगी। आर्थिक मामलों में स्थिति बेहतर होगी।
कर्क 	पद और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी आएगी। परिवार में सुख और आनंद रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होने के योग हैं। बंदरों को गुड़ खिलाएं।	मकर 	अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है, संयम रखें। लिखा-पढ़ी के मामलों में सावधानी रखें। परिवार के साथ तालमेल बेहतर बनाएं। अनचाहे खर्चों से बचना जरूरी है।
सिंह 	निर्णय लेने की क्षमता से फायदा होगा। व्यापार में नए अवसर भुनाने में सफल रहेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आय में वृद्धि होने के स्पष्ट संकेत हैं।	कुम्भ 	बुद्धिमानों से सभी काम समय पर बनेंगे। व्यापार में मुनाफे के मौके बढ़ेंगे। परिवार में शुभ कार्य की रूपरेखा बनेगी। धन संचय के प्रयास सफल होंगे।
कन्या 	काम पर ध्यान दें, लापरवाही न करें। लेन-देन के मामलों में सतर्क रहें। बड़ों का मार्गदर्शन लाभ देगा। बजट के अनुसार ही खर्च करें। खान-पान संतुलित रखें, योग करें।	मीन 	आपकी बातों का प्रभाव दफ्तर में दिखेगा। व्यापार में मुनाफे के मौके बढ़ेंगे। परिवार में शुभ कार्य की रूपरेखा बनेगी। धन संचय के प्रयास सफल होंगे।

मुझे जान से मारने व रेप की धमकी मिल रही : गुरपाल

राइज एंड फॉल 2 में नजर आई सिंगर और एक्ट्रेस सारा गुरपाल ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। उनका कहना है कि शो से निकलने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर लगातार जान से मारने और रेप की धमकियां मिल रही हैं। बिग बॉस 14 की पूर्व कंटेस्टेंट सारा ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए यह खुलासा किया है। वह बताती हैं कि उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। सिंगर ने उन ट्रोलर्स को फटकार लगाई है जो उनके शरीर के बारे में गंदी और धिनी बातें कर रहे हैं। यही नहीं, उन्होंने इन धमकियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की भी बात कही है। सारा गुरपाल ने बताया कि राइज एंड फॉल 2 से बाहर आने के बाद उन्हें ऑनलाइन उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लोग उनकी राय से असहमत हो सकते हैं, लेकिन इस वजह से उन्हें या उनके परिवार को धमकियां देना और उनके शरीर को लेकर अभद्र टिप्पणियां करना किसी भी तरह से सही नहीं है। सारा ने अपने पोस्ट में साइबर क्राइम सेल इंडिया को भी टैग किया और धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सारा गुरपाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, काफी समय हो गया है जब मैंने आप सभी से बात की थी। राइज एंड फॉल 2 एक बहुत ही अलग अनुभव था, लेकिन शो से बाहर आने के बाद, खासकर सोशल मीडिया पर, जो कुछ भी मैं देख रहा हूँ, वह बहुत अजीब और धिनी है। सारा ने आगे अपने परिवार को निशाना बनाए जाने और उनके शरीर को लेकर भद्दे कमेंट्स किए जाने की बात करते हुए लिखा, आप मेरी राय से सहमत हो सकते हैं या असहमत,

लेकिन मुझे और मेरे परिवार को जान से मारने और रेप की धमकियां देना, और मेरे शरीर को लेकर भद्दी टिप्पणियां करना, बेहद शर्मनाक है। हर किसी की अपनी राय हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको किसी को धमकाने या गाली देने का हक मिल जाता है। सारा ने अपने बयान में साफ किया कि किसी भी व्यक्ति को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह दूसरों को धमकाए या उनके

साइबर क्राइम से की शिकायत, बोली- लोग भेज रहे धिनीने मैसेज

साथ गाली-गलौज करे। उन्होंने लिखा, ऐसे कायर

ट्रोल्स को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आपको शर्म आनी चाहिए! अपने संदेश के साथ उन्होंने साइबर क्राइम सेल इंडिया के इंस्टाग्राम अकाउंट को टैग किया, जिससे ऑनलाइन उत्पीड़न के मामले पर ध्यान दिलाया जा सके।

दलेर मेहंदी से मंत्री ने मांगी माफी

कुछ दिन पहले सिद्धपीठ मां कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले में सिंगर दलेर मेहंदी पर मंत्री सुबोध उनियाल ने आरोप लगाया था कि उन्होंने नशे की हालत में गाना गाया, लेकिन अब उनकी टीम ने कहा है कि मंत्री जी ने माफी मांग ली है। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने मशहूर गायक दलेर मेहंदी से माफी मांगी है। राज्य में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान दलेर मेहंदी की परफॉरमेंस बीच में ही रोक दिए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। बताया जा रहा है कि यह माफी फोन कॉल के जरिए मांगी गई। बाद में मीका सिंह की टीम ने इस कदम का स्वागत किया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अब यह मामला यहीं खत्म हो जाएगा। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सिद्धपीठ मां कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले में दलेर मेहंदी के कार्यक्रम को मंत्री ने बीच में ही रोक दिया। मंत्री ने गायक पर आरोप लगाया कि वे नवरात्रि के इस कार्यक्रम के दौरान शराब के नशे में थे और लिप-सिंक कर रहे थे। मीका सिंह की टीम ने कहा हम इस बात की

पुष्कर सिंह धामी ने भाइयों को दिया उत्तराखंड आने का न्योता

सराहना करते हैं कि सुबोध उनियाल जी ने उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर फोन पर हुई बातचीत में दलेर मेहंदी पाजी से माफी मांगी है। कलाकारों और उनके सम्मान का खयाल रखना बहुत जरूरी है। दलेर पाजी एक वरिष्ठ कलाकार हैं, जिन्होंने संगीत उद्योग में बहुत बड़ा योगदान दिया है, और हर कलाकार सम्मान पाने का हकदार है। टीम ने यह भी हिंट दिया कि वे नहीं चाहते कि यह विवाद और आगे बढ़े। बयान में आगे कहा गया, हमें उम्मीद है कि अब इस मामले को पीछे छोड़ा जा सकेगा और सभी लोग आपसी सम्मान और समझ के साथ आगे बढ़ सकेंगे। बाद में मीका ने धामी के साथ हुई अपनी बातचीत का जिक्र किया और जिस तरह से मुख्यमंत्री ने इस मामले को संभाला, उसकी तारीफ की। मीका ने कहा, आज सुबह ही मेरी बातचीत उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से हुई, जो मेरे बड़े भाई और अच्छे दोस्त हैं, और जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूँ। जब भी मैं देहरादून जाता हूँ, तो वे मुझसे बहुत गर्मजोशी से मिलते हैं और वे बेहद जमीन से जुड़े इंसान हैं। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने जिस तरह से दलेर पाजी और मुझसे बात की, वह बहुत ही विनम्र और शालीन तरीका था। उन्होंने मंत्री जी की ओर से माफी मांगी, जबकि मैंने उनसे कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि उनकी कोई गलती ही नहीं थी।

करण वाही ने उदिति संग ब्रेकअप पर तोड़ी चुप्पी

बिग बॉस 20 में उदिति सिंह लगातार एक्टर करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर बात करती रहती हैं। वह शो में अपने ब्रेकअप की वजह भी बता चुकी हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि करण ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था और उनके डॉर्गी को भी गलत तरीके से ट्रैट किया था। अब करण वाही ने इस पूरे मामले पर खुद चुप्पी तोड़ी है। एक्टर ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे। करण ने उन अटकलों पर भी विराम लगाया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी होने वाली थी। करण वाही ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में उदिति सिंह के साथ अपने रिश्ते और ब्रेकअप की वजह पर बात की। उन्होंने बताया कि जब दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया, तब वह करीब 33 साल के थे और जिंदगी के उस पड़ाव पर थे, जहां किसी रिश्ते में आने से पहले उसके भविष्य के बारे में सोचना जरूरी मानते थे। करण के मुताबिक, वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाने के इरादे से आगे

» कहा- मैं उससे शादी करना चाहता था, हमारी बात चल रही थी

बढ़े थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि दोनों की शादी की तारीख या कोई पक्की योजना तय हो चुकी थी। करण वाही ने बताया कि उदिति को डेट करते समय उनके मन में शादी का विचार था। उन्होंने कहा, जब मैंने उन्हें डेट करना शुरू किया, तब मैं 33-34 साल का था। इसलिए, मैं ऐसी उम्र में था जहां मेरा सोचना था कि अब अगर मैं किसी रिश्ते में आता हूँ, तो वह शादी में बदलना चाहिए। वरना, मुझे ऐसा कोई रिश्ता नहीं चाहिए। करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते को लेकर शादी की योजना बनने की खबरें सही नहीं थीं। लॉकडाउन के दौरान दोनों ने साथ समय बिताया था और अपने भविष्य को लेकर बातचीत भी की थी, लेकिन इसे शादी तय होने के रूप में देखना गलत होगा। एक्टर ने कहा कि उनका इरादा रिश्ते को शादी तक ले जाने का था, जिसे लोगों ने शायद इस तरह समझ लिया कि दोनों जल्द शादी करने वाले थे।

गोलीबारी के बाद सदमे में हैं टाइगर श्रॉफ

मुंबई के जुहू इलाके में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार को 18 अक्तूबर को बंदूकधारियों द्वारा निशाना बनाया गया था। अब इस मामले पर अभिनेता की प्रतिक्रिया सामने आई है। एक्टर ने इस घटना को जानलेवा हमला बताया और सवाल उठाया कि आखिर कोई उन्हें नुकसान क्यों पहुंचाना चाहेगा। इसके अलावा बता दें कि एक्टर टाइगर श्रॉफ पर गोली चलाने वाले तीनों मुख्य आरोपियों ने पहले गुजरात के सूरत से दिल्ली तक बस से जाने और फिर बॉर्डर पार करके नेपाल जाने का प्लान बनाया था, लेकिन आखिर में उनका यह प्लान बस निकल जाने की वजह से खराब हो गया। टाइगर ने जांच अधिकारियों को बताया कि वह अभी भी इस घटना के सदमे से बाहर नहीं निकल पाए हैं। अभिनेता ने कहा, मैं गहरे सदमे में हूँ। मैं अभी कुछ भी नहीं कहना चाहता। आखिर कौन मुझ पर ऐसा

जानलेवा हमला करना चाहेगा और क्यों? अभिनेता ने आगे सवाल उठाते हुए कहा, मेरी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है तो फिर मुझ पर हमला क्यों किया गया? बताया जा रहा है कि अभिनेता अभी भी इस घटना से काफी परेशान हैं और उन्होंने अब तक पुलिस को अपना औपचारिक बयान नहीं दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर श्रॉफ पर गोली चलाने वाले आरोपियों ने पहले गुजरात के सूरत से दिल्ली तक बस से जाने और फिर बॉर्डर पार करके नेपाल जाने का प्लान बनाया था। लेकिन, उनका प्लान फेल हो गया क्योंकि जब तक वे बस स्टैंड पर पहुंचे, तब तक बस पहले ही निकल चुकी थी। प्लान बी के तहत उन्हें जयपुर के बाहरी इलाके में मेन रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने से पहले ही उतर

जाने अभिनेता, ढूंढ रहे अपने सवालों के जवाब, मुझ पर हमला क्यों हुआ

को कहा गया। उनका प्लान था कि वे रेलवे रूट छोड़कर बस या टैक्सी का इंतजाम करें और बॉर्डर पार करके नेपाल जाने से पहले सड़क के रास्ते दिल्ली की तरफ बढ़ें। हालांकि, मुंबई क्राइम ब्रांच ने उनके इस प्लान को भी फेल कर दिया और तीनों को हमले के एक दिन बाद ही राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार कर लिया गया था। टाइगर पर हमला 18 अक्तूबर की शाम करीब 7 बजे हुई, जब टाइगर फुटबॉल सेशन से वापस लौट रहे थे। मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों में से दो ने उनकी कार पर 5-6 राउंड फायरिंग की और फिर वहां से भाग गए। कार की अगली सीट पर बैठे टाइगर को तो गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन उनके ड्राइवर और एक ब्लॉगर घायल हो गए।

महंगी टिकट भी नहीं रोक पाई रामायण की रफ्तार!

रणबीर कपूर और यश की फिल्म रामायण को लेकर दर्शकों में जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। दशहरा के मौके पर इसकी एडवांस बुकिंग की शुरुआत हो गई थी, और अब ये धीरे-धीरे अपनी तेजी पकड़ चुकी है। रिलीज से ठीक 10 दिन पहले कई जगहों पर फिल्म के शो हाउसफुल होने लगे हैं। 20 अक्टूबर को दशहरा के बाद फैंस को रामायण की टिकट खरीदने का मौका मिला। एडवांस बुकिंग खुलते ही काफी लोगों ने अपनी

10 दिन पहले के शोज हुए हाउसफुल

पसंदीदा टिकट खरीदी। लेकिन इस बीच सबसे ज्यादा बवाल इनकी कीमतों पर हुआ। कई जगहों पर 500-600 रुपये की टिकट देखने मिली। हालांकि इसके बावजूद, रामायण अपना दम दिखा रही है। सैकनलिक की रिपोर्ट अनुसार, रामायण ने पांच दिनों में अभी तक इंडिया में एडवांस बुकिंग से करीब 8.72 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। फिल्म के लगभग 2

लाख टिकट बिक चुके हैं। शुरुआत में एडवांस बुकिंग की कमाई में हिंदी वर्जन का दबदबा था। हालांकि पिछले दो दिनों में कन्नड़ और तेलुगु वर्जन की बुकिंग में भी तेजी आई है। अभी भी फिल्म की कुल एडवांस बुकिंग में हिंदी वर्जन की हिस्सेदारी करीब 87 फीसदी है। कन्नड़ वर्जन करीब 100 स्क्रीन पर शुरू हो चुका है और जल्द ही 1 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग के आंकड़े के करीब पहुंच सकता है। कुछ सिनेमाघरों में सुबह के शो की ऑक्ज्यूपेंसी 72 फीसदी तक पहुंच गई है। वहीं तेलुगु वर्जन अभी सिर्फ करीब 10-



15 स्क्रीन पर चल रहा है और इसकी बुकिंग 1 लाख रुपये के आंकड़े को थोड़ा ही पार कर पाई है। 'रामायण' के दूसरे क्षेत्रीय भाषाओं वाले वर्जन की बुकिंग भी

रिलीज डेट नजदीक आने के साथ शुरू होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक चार शो हाउसफुल हो चुके हैं। इनमें दो तेलुगु और दो हिंदी शो बताए जा रहे हैं।

अभिव्यक्ति की आजादी और सत्ता से सवाल पर नई पीढ़ी मुखर

» फाउंडेशन की संस्थापक शालिनी श्रीनेत ने स्त्री संस्था की बात

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सत्ता से सवाल करना, असहमति की आवाज को बनाए रखना और अपनी बात कहने की कीमत से पीछे न हटना-नई पीढ़ी के सार्वजनिक जीवन में इन सवालों को लेकर मेरा रंग फाउंडेशन के दसवें वार्षिकोत्सव पर आयोजित संवाद में व्यापक चर्चा हुई। 'बदलाव की आहट : नई पीढ़ी, नए सवाल' विषय पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीति में युवाओं की भागीदारी और मुखर आवाजों के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में 4पीएम न्यूज सहयोगी के रूप में जुड़ा रहा।

वरिष्ठ पत्रकार और न्यूजलैंड-इंडी हिंदी के मैनेजिंग एडिटर अतुल चौरसिया के संचालन में हुई बातचीत में स्वतंत्र पत्रकार एवं यूट्यूबर श्याम मीरा सिंह, लोकगायिका और राजनीतिक-सामाजिक व्यंग्य के लिए चर्चित नेहा सिंह राठौर, समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता नेहा यादव, राष्ट्रीय जनता दल की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका भारती और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज आलम ने हिस्सा



आज का युवा अपनी अभिव्यक्ति के लिए नए स्पेस तलाश रहा है : श्याम मीरा सिंह

श्याम मीरा सिंह ने कहा कि आज का युवा अपनी अभिव्यक्ति के लिए नए स्पेस तलाश रहा है और आंदोलन भी इस अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। चर्चा में डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ यह सवाल भी सामने आया कि युवा अपनी बात कहने के लिए परंपरागत संस्थानों से अलग नए मंच क्यों तलाश रहा है।



लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में मेरा रंग फाउंडेशन की संस्थापक एवं मैनेजिंग ट्रस्टी शालिनी श्रीनेत ने संस्था के दस वर्षों के सफर पर बात की। उन्होंने बताया कि 2016 में सोशल मीडिया से शुरू हुई यह पहल महिलाओं और नई पीढ़ी को अपनी बात कहने का मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगे बढ़ी और बाद में महिला अधिकार, लैंगिक

समानता, घरेलू हिंसा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर संवाद का हिस्सा बनी। बातचीत की शुरुआत में अतुल चौरसिया ने सवाल रखा कि नई पीढ़ी राजनीति, मीडिया, समाज और रचनात्मक क्षेत्र को किस तरह बदल रही है और इन बदलावों का आगे की दिशा पर क्या असर पड़ेगा। उन्होंने राजनीतिक दलों से जुड़े वक्ताओं से यह भी

लगातार गालियां मिल रही हैं मतलब बात असर पैदा कर रही : प्रियंका भारती

प्रियंका भारती ने सोशल मीडिया ट्रोलिंग और गालियों को लेकर कहा कि अगर किसी को लगातार गालियां मिल रही हैं तो इसका एक अर्थ यह भी हो सकता है कि उसकी बात असर पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि उनके लिए अपमानजनक संबोधनों से डरने के बजाय उन्हें अपने ढंग से परिभाषित करना प्रतिक्रिया का एक तरीका है। प्रियंका ने कहा कि अगर उन्हें 'शूर्पणखा' कहा जाता है तो वे उसे ऐसी साहसी स्त्री के प्रतीक के रूप में देखती हैं जो अपनी इच्छाओं और सेक्सुअलिटी को स्वीकार करती है। इसी तरह अगर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के नाम को जोड़कर उन्हें अपशब्द कहे जाते हैं तो वे आंबेडकर की वैचारिक विरासत को गर्व के साथ स्वीकार करती हैं।



मुखर स्त्री को आसानी से स्वीकार नहीं करता समाज : नेहा राठौर

नेहा सिंह राठौर ने मुखर महिलाओं के सामने आने वाली सामाजिक और सार्वजनिक चुनौतियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि समाज की संरचना ऐसी है कि वह मुखर स्त्री को आसानी से स्वीकार नहीं करता। नेहा यादव ने कहा कि महिलाओं को चुप कराने का आसान तरीका उनके सवालों का जवाब देने के बजाय उनके चरित्र पर सवाल खड़ा करना है।

पूछा कि राजनीतिक दलों में युवाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम क्यों दिखाई देती है। इस अवसर पर आयुषी त्रिपाठी और टियारा त्रिपाठी ने स्त्री शक्ति पर आधारित ओडिसी नृत्य प्रस्तुति दी। वहीं महिला अधिकार और जेंडर जस्टिस के क्षेत्र में सक्रिय अधिवक्ता ज्योति गोयल को 'रंग साहस' का सम्मान प्रदान किया गया। हिंदी के कवि-कथाकार अरुण आदित्य ने उन्हें यह सम्मान दिया।

कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति फौजिया दास्तानगो की रही। उन्होंने स्त्रीवादी कविताओं का पाठ करते हुए स्त्रियों के सामाजिक अनुभवों और उनकी स्थितियों से जुड़े सवालों को सामने रखा। कार्यक्रम के अंत में कथाकार और उपन्यासकार विवेक मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया। आयोजन में छांव फाउंडेशन के साथ 4पीएम न्यूज की सहभागिता रही। बड़ी संख्या में सामाजिक, सांस्कृतिक, पत्रकारिता और युवा क्षेत्र से जुड़े लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

ऋषभ पंत और बुमराह की होगी मैदान पर वापसी

» न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में खेलने की उम्मीद

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के न्यूजीलैंड ए के खिलाफ भारत ए के तीसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में खेलने की उम्मीद है, जो 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में खेला जाना है। इस मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के भी शामिल होने की पूरी संभावना है, बशर्ते उन्हें बीसीसीआई की मेडिकल टीम से फिटनेस वलीयरेंस मिल जाए। पंत और बुमराह दोनों ही न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं, जो वेलिंगटन (19 से 23 नवंबर) और क्राइस्टचर्च (27 नवंबर से 1 दिसंबर) में खेले जाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, पंत और बुमराह



सीएसके में माइक हसी का इस्तीफा, जहीर की एंट्री

नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले सीएसके ने अपने कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव किए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइक हसी से अलग होने का फैसला किया है। वहीं, इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर गैरेथ बेट्टी को टीम का नया सहायक कोच नियुक्त किया गया है। बेट्टी अब टीम के नए मुख्य कोच जहीर खान के साथ काम करेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है, जब चेन्नई सुपर किंग्स पिछले तीन आईपीएल सत्र में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। वहीं प्लेयिंग की जगह भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान को चेन्नई सुपर किंग्स का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। आईपीएल 2027 जहीर खान का चेन्नई सुपर किंग्स के साथ पहला सत्र होगा।

जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने किया मंत्रिमंडल का विस्तार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। अब्दुल्ला 16 अक्टूबर, 2024 को सीएम बने थे। ऐसे में उन्होंने दो साल बाद अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। मंगलवार को श्रीनगर स्थित लोक भवन में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने नए मंत्रियों को शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री ने अली मोहम्मद सागर और मीर सैफुल्ला को मंत्रिमंडल में मंत्री के तौर पर शामिल किया है। जम्मू कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस की नेता और विधायक शमीमा फिरदौस को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मंत्रिमंडल में शामिल किया है।

1 नवंबर को 10 लाख लोग जुटाएंगे

» महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने बनाई रणनीति

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने बताया कि कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होने वाली अपनी मेगा रैली के लिए देशभर से 10 लाख नागरिकों और मतदाताओं को जुटाने का लक्ष्य रखा है। यह रैली कथित वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण - एसआईआर के विरोध में आयोजित की जा रही है। लांबा ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, उनके खिलाफ कार्रवाई और उनके फैसलों को रद्द करने की मांग की।

उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को रोकने



और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की जगह फिर से बैलेट पेपर का इस्तेमाल शुरू करने की भी मांग की। लांबा ने आरोप लगाया कि करोड़ों नागरिकों के वोट देने के अधिकार खतरे में हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी।

तमिलनाडु में प्रशासनिक नाकामी बड़ी

» डीएमसके प्रमुख स्टालिन सीएम विजय पर बरसे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने रविवार को आरोप लगाया कि टीवीके सरकार के शासन में तमिलनाडु में यौन अपराधों और नशीले पदार्थों के प्रसार के बीच एक तरह की होड़ मची हुई है। स्टालिन ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार पर प्रशासनिक विफलता का भी आरोप लगाया। उन्होंने इसके लिए महिलाओं के खिलाफ अपराधों, बच्चों के अपहरण, बिजली कटौती और बढ़ती कीमतों का हवाला दिया। स्टालिन ने कहा कि विजय चिल्ला रहे हैं और किसी दुष्ट शक्ति के होने का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन लोग अच्छी तरह समझते हैं कि वह दुष्ट शक्ति कौन है।



टीवीके के संस्थापक-अध्यक्ष विजय ने अक्सर डीएमके को एक बुरी ताकत बताया है। उन्होंने खुद को एआईडीएमके नेताओं एम. जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता की जन-कल्याणकारी विरासत के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में भी पेश किया है, और डीएमके के प्रति उनके कड़े विरोध की तारीफ की है। स्टालिन ने याद दिलाया कि 2021 में

रील्स गवर्नेंस से लोग पछता रहे

इसलिए, इस रील्स गवर्नेंस (दिखावे वाले शासन) के तहत, न केवल वे लोग पछता रहे हैं जिन्होंने उन्हें वोट नहीं दिया था, बल्कि जिन्होंने उन्हें वोट दिया था, वे भी आज पछता रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया हर दिन, चाहे आप अच्छा उठाएं, टीवी देखें या सोशल मीडिया स्क्रीन करें, राज्य में हत्या, लूट, चोरी और यौन उत्पीड़न की खबरों के बिना कोई दिन नहीं गुजरता। उन्होंने आगे कहा कि पिछले पांच-छह दिनों से बच्चों के अपहरण की खबरें लगातार सामने आ रही हैं।

मुख्यमंत्री बनने से पहले, उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार इतना अच्छा शासन देगी कि जिन लोगों को वोट नहीं दिया था, वे भी अपने फैसले पर पछताएं। उन्होंने कहा कि अगर आज की स्थिति के बारे में पूछें, तो शासन का हाल यह है कि न केवल वे लोग जिन्होंने वोट नहीं दिया था, बल्कि जिन्होंने डीएमके को वोट दिया था, वे भी पछता रहे हैं।

एमएलसी चुनाव, भाजपा को विपक्ष दे रहा तनाव

» यूपी में सपा, कर्नाटक व महाराष्ट्र में कांग्रेस दे रही टक्कर, बिहार में बवाल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के चार राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र की विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव के बाद आज मतगणना हो रही है। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के एनडीए और कांग्रेस के महागठबंधन के बीच कड़ी टक्कर है। उत्तर प्रदेश की 11 सीटों पर और बिहार की 8 सीटों पर रिजल्ट आना है। उत्तर प्रदेश की 11 विधान परिषद सीटों पर रिजल्ट आना है। इसमें 5 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की बात करें तो लखनऊ डिवीजन ग्रेजुएट्स, आगरा, मेरठ



और वाराणसी डिवीजन ग्रेजुएट्स शामिल हैं। इलाहाबाद-झांसी डिवीजन ग्रेजुएट्स भी इस लिस्ट में शामिल हैं। बरेली-मुरादाबाद और गोरखपुर-फैजाबाद

डिवीजन टीचर्स सीट शामिल हैं। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन सीटों के वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से चल रही है। लखनऊ,

बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर मुकाबला

बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर काउंटिंग हो रही है। इसमें 4 स्नातक और 4 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में पटना, तिरहुत, दरभंगा और कोसी सीट शामिल हैं। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में पटना, दरभंगा, तिरहुत और सारण सीट शामिल हैं।



वाराणसी, आगरा, मेरठ, झांसी, बरेली और गोरखपुर में सात स्थानों पर मतगणना कराई जा रही है। संबंधित निर्वाचन अधिकारियों की मौजूदगी में निर्धारित केंद्रों पर वोटों की गिनती चल रही है। लखनऊ में स्नातक सीट की मतगणना रमाबाई रैली स्थल के हॉल नंबर 7 में हो रही है। वहीं लखनऊ में शिक्षक सीट की

बिहार के बांकीपुर में हंगामा

बिहार के बांकीपुर स्कूल में एमएलसी चुनाव के लिए हो रही मतगणना के दौरान हंगामे का वीडियो सामने आया है। एक शख्स कई फाइलों के साथ अंदर जाने की कोशिश कर रहा था। बिहार के बांकीपुर स्कूल स्थित चुनाव मतगणना केंद्र के बाहर उस वक्त हंगामे की स्थिति बन गई, जब एक शख्स कई फाइलों लेकर अंदर जाने की कोशिश कर रहा था। शख्स के गले में आईकॉर्ड भी था और उसके सरकारी कर्मचारी होने की चर्चा है, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। जन सुझाव ने दावा किया कि फाइलों में फॉर्म-16 थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

मतगणना रमाबाई रैली स्थल के हॉल नंबर 8 में हो रही है। कर्नाटक विधान परिषद की 4 सीटों पर काउंटिंग हो रही है। इसमें 2 स्नातक और 2 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। वहीं अगर महाराष्ट्र की बात करें तो उसकी 5 सीटों पर काउंटिंग हो रही है इसमें 3 स्नातक और 2 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं।

चुनावी धांधली पर और आक्रामक होगा विपक्ष

पहली को रामलीला मैदान में जुटेंगे 21 दल, कांग्रेस ने कसी कमर

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की एक बड़ी रैली की तैयारी कर रही है। इस आयोजन से पहले यह शक्ति प्रदर्शन का एक अहम मौका होगा। तैयारियों के सिलसिले में, 27 अक्टूबर को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने दिल्ली के नेताओं के साथ कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया।

कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि रैली की व्यवस्थाओं के लिए दिल्ली का पूरा नेतृत्व यहाँ मौजूद है। वेणुगोपाल जी यहाँ आ रहे हैं, जिसके बाद वे सभी को जरूरी निर्देश देंगे। उसी के अनुसार तैयारियों की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस रैली में इंडिया गठबंधन के सदस्य और देशभर से लोग शामिल होंगे। हालांकि, वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि रैली से पहले पुलिस ने इसमें दखल दिया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ने शुरुआत में अशोक होटल के लॉन में एक कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन पुलिस के दखल के बाद इसे नामंजूर कर दिया गया। इसके अलावा, उन्होंने पुलिसकर्मियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को किसी दूसरी जगह पर कार्यक्रम की तैयारी करने से रोका। 30 अक्टूबर का यह प्रस्तावित कार्यक्रम 1 नवंबर को होने वाली रैली और मार्च से पहले की एक तैयारी थी, जिसका मकसद कथित चुनावी गड़बड़ियों के खिलाफ विरोध जताना है। वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह विपक्षी दलों को मतदाता सूची और उससे जुड़े मुद्दों पर अपनी चिंताएं जाहिर

कारोबारियों ने फिर लिखी राहुल गांधी को चिट्ठी

दिल्ली के व्यस्त कारोबारी सीजन में एक नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित महारैली को लेकर दिल्ली के व्यापारियों ने यातायात और कारोबार पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर चिंता जताई है। चैंबर ऑफ़ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर रैली 10 नवंबर के बाद कराने की मांग की है। संगठन का अनुमान है कि रैली में दस लाख लोगों के शामिल होने पर 15 हजार से 20 हजार वाहन दिल्ली पहुंच सकते हैं। इससे पुरानी दिल्ली के प्रमुख बाजारों में यातायात का दबाव बढ़ने और गाहकों की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल के मुताबिक, संगठन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी पत्र की प्रति भेजी है। सीटीआई ने रैली की तारीख बदलने के साथ ही वैकल्पिक आयोजन स्थल के तौर पर बुराड़ी मैदान और जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम का सुझाव दिया है। हालांकि, रैली के लिए वाहनों की वास्तविक संख्या और यातायात प्रबंधन की आधिकारिक योजना अभी स्पष्ट नहीं है।

करने से रोकने की कोशिश कर रही है। वेणुगोपाल ने कहा कि हम उनके दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। हमें पता है कि कार्यक्रम कैसे आयोजित करना है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी जल्द ही अपने अगले कदमों की घोषणा करेगी। उन्होंने सरकार पर असहमति को दबाने और राजनीतिक आलोचना को सीमित करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। 1 नवंबर की रैली के संबंध में, वेणुगोपाल ने बताया कि रामलीला मैदान में लगभग 21 राजनीतिक दलों के शामिल होने की उम्मीद है। इंडिया गठबंधन ने अपने वोट चोरी अभियान के तहत लगातार चुनावी धांधली के आरोप लगाए हैं।

सआदतगंज फायरिंग कांड में पुलिस कमिश्नर की बड़ी कार्रवाई

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कार पार्किंग विवाद में 3 लोगों की मौत के मामले में थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने सआदतगंज इस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य को सस्पेंड किया है।

वहीं कश्मीरी मोहल्ला चौकी प्रभारी अजय कुमार चौरसिया भी तत्काल प्रभाव से निलंबित

कर दिया है। बता दें 26 अक्टूबर को ब्राह्मणी टोला, नौबस्ता में कार पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान हुई फायरिंग में 3 लोगों की जान गई थी। पुलिस ने फायरिंग के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। वारदात में इस्तेमाल पिस्टल और 4 खोखा कारतूस बरामद कर लिया गया है। मामले में अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है।

तेलीबाग में कुत्ते का आतंक महिला को बनाया शिकार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तेलीबाग के रमजान नगर में एक कुत्ते के लगातार हमलों से स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल है। मंगलवार को कुत्ते ने



एक महिला पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। महिला को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। हमले में महिला को गहरा घाव हुआ है और काफी खून भी बह चुका है।

मूल रूप से बाराबंकी निवासी मोहम्मद वारिस ने बताया कि वह पिछले 12 वर्षों से तेलीबाग के रमजान नगर में रह रहे हैं। उनकी बुआ को कुत्ते ने काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारिस का कहना है कि उक्त कुत्ता अब तक करीब 10 से 12 लोगों को काट चुका है। उन्होंने आशंका जताई कि कुत्ते की हरकतों को देखकर ऐसा लगता है कि वह पागल हो चुका है। आए दिन किसी न किसी व्यक्ति पर हमला कर रहा है। मामले की शिकायत पुलिस से भी की गई है। नगर निगम के पशु कल्याण चिकित्सा अधिकारी अभिनव वर्मा ने बताया कि मौके पर टीम भेजी जा रही है। कुत्ते को पकड़कर ऑब्सेर्वेशन रूम में रखा जाएगा, जहां उसकी निगरानी की जाएगी। लगातार हो रहे हमलों के बीच स्थानीय निवासियों में भय का माहौल है।

एसआईआर पर चुनाव आयोग और अन्य को सुप्रीम नोटिस

» जवाब पर याचिकाकर्ताओं को 10 दिन की मोहलत

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बचाव में निर्वाचन आयोग के हलफनामे पर जवाब दाखिल करने के लिए मंगलवार को याचिकाकर्ताओं को 10 दिन का समय दिया। आयोग ने अपने हलफनामे में कहा है कि यह प्रक्रिया कानून के अनुरूप थी और इस लागू करने से संबंधित आदेशों को आयोग के तीनों सदस्यों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने राज्यसभा सदस्य डोला सेन की एक नयी याचिका पर निर्वाचन आयोग और अन्य को नोटिस भी जारी किया।

याचिका में यह आरोप लगाया गया है कि शीर्ष अदालत की मंजूरी के बिना बिहार एसआईआर के

दौरान 'फॉर्म 6' में बदलाव किए गए। सांसद सेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सांसद मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने गलत तरीके से यह दावा किया है कि 'फॉर्म 6' में किए गए बदलावों को शीर्ष अदालत द्वारा अनुमोदित किया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि सभी मुद्दों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने प्रथम याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह से कहा कि वे सोमवार देर शाम दाखिल किए गए निर्वाचन आयोग के जवाब पर 10 दिन के भीतर अपना प्रत्युत्तर दाखिल करें। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और आयोग द्वारा लिए गए निर्णयों के खिलाफ दायर याचिका पर अपने 248 पन्नों के जवाब में आयोग ने एसआईआर का पुरजोर बचाव किया। आयोग ने 'फॉर्म 6' में संशोधन के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मतदाता पंजीकरण के लिए

इस्तेमाल किए जाने वाले वैधानिक 'फॉर्म 6' में कोई बदलाव नहीं किया गया है। निर्वाचन आयोग की ओर से उप निर्वाचन आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया, "निर्वाचन आयोग पर आक्षेप लगाने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है।" आयोग ने कहा कि इस हलफनामे को भी चुनाव निकाय के तीनों सदस्यों के सर्वसम्मत से फैसले लेने के बाद ही दाखिल करने की मंजूरी दी गई थी। ये याचिकाएं अंग्रेजी दैनिक 'द इंडियन एक्सप्रेस' की 25 सितंबर की उस खबर के बाद दायर की गई, जिसमें कहा गया था कि निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 माह में एसआईआर से संबंधित फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आधिकारिक तौर पर यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि ये आदेश उनकी जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए थे। इस दावे के बाद विपक्षी दलों और कॉंग्रेस जनता पार्टी (कांजपा) ने प्रदर्शन शुरू कर दिए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार को हटाने की मांग की।



पंजाब विस में गुंजा 'उड़ता हरियाणा'

» एमएलए गुरलाल ने पत्रकारों की गिरफ्तारी और 'थर्ड डिग्री' टॉचर का मुद्दा उठाया

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में बढ़ते नशे के कारोबार का खुलासा करने वाली 'लिविंग इंडिया न्यूज़' चैनल की चर्चित न्यूज़ सीरीज 'उड़ता हरियाणा' का मामला पंजाब विधानसभा में जोरदार तरीके से गुंजा। विधायक गुरलाल सिंह घनौर ने सदन में 'लिविंग इंडिया न्यूज़' के प्रधान संपादक अतुल अग्रवाल, ग्रुप इनपुट एडिटर सौरभ उपाध्याय, नेशनल न्यूज़ एडिटर सुदेश नैन मोर, इंटरन रिपोर्टर नीतू चौहान, सीईओ मनीष अग्रवाल और झड़वर लवप्रीत के खिलाफ गैरजमानती धाराओं में एफआईआर संख्या 235/26 दर्ज करने तथा हरियाणा पुलिस की उत्पीड़न की कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए कड़ी नाराजगी जताई।

गौरतलब है कि दिनांक 7 अक्टूबर को 'उड़ता हरियाणा'

सीरीज के तहत, सीएम नायब सिंह सैनी के गृह जिले कुरुक्षेत्र और सीएम के विधान सभा क्षेत्र लाडवा में बढ़ते नशे से जुड़ी खबर प्रसारित की गई थी। इसके बाद 10 अक्टूबर से शुरू हुई दमनात्मक पुलिस कार्रवाई में 'लिविंग इंडिया' और 'हिन्दी खबर' चैनलों के संपादक, पत्रकारों, सीईओ और अन्य संबंधित लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था। हरियाणा पुलिस ने रिमाण्ड में पत्रकारों के साथ बेरहमी से मारपीट, थर्ड डिग्री टॉचर, शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना, सर पर पिस्तौल रख कर ट्रिगर दबाने और गंभीर धमकियों का घोर अपराधिक मामला भी सामने आया है।